9. Write short notes on any **two** of the following :

(a) Difference between Teleological and Deontological Ethics

(b) Eudaemonia

(c) Karuna and Maitri

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) परिणाम सापेक्ष नैतिकता एवं परिणाम निरपेक्ष नैतिकता के मध्य अन्तर

(ब) यूडेमोनिया

(स) करुणा एवं मैत्री

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5250 **H**

Unique Paper Code : 2102101203

Name of the Paper : ETHICS

Name of the Course : **BACHELOR OF ARTS (HONOURS COURSE) PHILOSOPHY**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **5** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

RAMANUJAN COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-110019

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. कोई 5 प्रश्न हल कीजिए ।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. How would you differentiate between Reflective Morality and Conventional Morality? Discuss.

चिन्तनशील नैतिकता एवं पारम्परिक नैतिकता के मध्य आप किस प्रकार अन्तर करेंगे? विवेचना कीजिये।

2. Explain and examine Aristotle's conception of Moral Virtue with reference to Courage, Temperance and Justice.

साहस, सन्यम एवं न्याय के सन्दर्भ में अरस्तू के नैतिक सद्गुण की अवधारणा की व्याख्या और परीक्षण करें।

3. Why does Mill claim that 'The Greatest Happiness Of The Greatest Number' is the highest moral end? Discuss.

मिल 'अधिकतम सुख अधिकतम संख्या' को उच्चतम नैतिक साध्य के रुप में क्यों प्रतिपादित करते हैं? विवेचना कीजिये।

4. Explain and examine Kant's conception of Duty as a Categorical Imperative.

कांट की इस् अवधारणा कि कर्तव्य एक कैटेगोन्किल इम्परेटिव (निरपेक्ष आदेश) है, की व्याख्या और परीक्षण करें।

5. Explain the conception of Purusharthas. Do you think they are still relevant in present times? Discuss.

पुरुषार्थ की अवधारणा की व्याख्या कीजिये। क्या आप को लगता है कि आज के समय में वे प्रासंगिक हैं? विवेचना कीजिये।

6. Explain and examine the moral viability and significance of Nishkama Karma in present times.

वर्तमान काल में निष्काम कर्म की व्यावहारिकता एवं महत्व की व्याख्या और परीक्षण करें।

7. Explain and examine the conception of Ahimsa with reference to Indian Value System.

अहिंसा की अवधारणा की भारतीय मूल्य सिद्धांत के सन्दर्भ में व्याख्या और परीक्षण करें।

8. Explain and examine Kant's conception of Good Will.

कांट के शुभ संकल्प की अवधारणा की व्याख्या और परीक्षण करें।